Head Office : Level 8, Muttha Chambers II, Senapati Bapat Marg, Pune 411016
Tel.: 020-6605 0000 Fax: 020-6605 0191
Website: www.bjsindia.org E mail: info@bjsindia.org

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

कृपया प्रसिद्धी हेतु

"श्रमदान से सूखामुक्त होने वाले 2000 गाँवों का कठिन कार्य मशीन व्दारा करने हेतु परियोजना"

मा. संपादक,

भारतीय जैन संघटना (बीजेएस) पिछले 32 वर्षों से प्राकृतिक आपदा निवारण हेतु पूरे देश में कार्य कर रही है। वर्ष 2013 में सिर्फ बीड ज़िले में 117 तालाबों से 20 लाख क्यूबिक मीटर सिल्ट निकालकर उसे 5000 एकड़ खेतों में फ़ैलाने का कार्य किया। वर्ष 2015–16 में भी लातूर, बीड, उस्मानाबाद जिलों में इसी प्रकार का कार्य किया गया। महाराष्ट्र में आत्महत्याग्रस्त किसान परिवार के 550 लडके-लड़कियों के शैक्षणिक पुनर्वसन का कार्य पिछले दो वर्षों से चल रहा है। पिछले पाँच वर्षों से महाराष्ट्र में सूखे की स्थिति अत्याधिक विकट हो गई है।

महाराष्ट्र में पिछले वर्ष 'पानी फाउन्डेशन' ने वाटर कप प्रतियोगिता आरंभ की। इस प्रतियोगिता की विशेषता है कि गाँव वालों का संगठित होना, पाँच लोगों का चयन कर उन्हे प्रशिक्षण के लिए भेजना, गाँव के लिए वाटर शेड मेनेजमेंट योजना स्वयं तैयार करना तथा श्रमदान के व्दारा आत्मनिर्भर होना। बीजेएस इस कार्य को महात्मा गाँधी के स्वाबलंबन के विचार के अनुरूप, स्वतंत्रता के पश्चात अपनी तरह का सबसे बड़ा कार्य मानती है। पिछले वर्ष 'पानी फाउंडेशन' की यह प्रतियोगिता महाराष्ट्र के तीन तहसीलों के सभी गांव के लिए आयोजित थी। इस वर्ष यह प्रतियोगिता महाराष्ट्र के 13 जिलों के 30 तहसीलों में घोषित की गयी है तथा 2000 से अधिक गाँवों ने इस प्रतियोगिता में सहभागी होने का निर्णय लिया है। महाराष्ट्र में एक ही समय में 2000 गाँवों का, श्रमदान के व्दारा आत्मनिर्भर होने का प्रयास करना एक क्रन्तिकारी बदलाव है।

इन 2000 गाँवों के लोग अपने-अपने गाँव में भरपूर श्रमदान करेंगे। इस श्रमदान के सराहनीय कार्य के बावजूद भी बीजेएस का अनुभव है कि गाँव की भौगोलिक स्थिति, पहाड़ी-ढलानी भूमि, पथरीली व चट्टानी सतह पर श्रमदान करना अत्यधिक कठिन है।

बीजेएस के संस्थापक श्री शांतिलाल मुथ्था ने महाराष्ट्र के राज्य स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक में "श्रमदान से सूखामुक्त होने वाले 2000 गाँवों का कठिन कार्य मशीन व्दारा करने हेतु प्रोजेक्ट" का नीतिगत निर्णय लिया है। बीजेएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख के नेतृत्व में जिला समितियों व्दारा सभी 13 जिलों में जिला समन्वयक व लगभग 50 तहसील पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है तथा 400 पोकलेंड अथवा 1200 जेसीबी मशीनों की सहायता से एक माह में यह कार्य पूर्ण करने का नियोजन किया गया है।

दो माह में एक साथ महाराष्ट्र के 2000 गावों में इतनी बड़ी संख्या में सफलतापूर्वक कार्य का नियोजन करना यह एक बड़ी चुनौती है। बीजेएस के पिछले 32 वर्षों के अनुभव को ध्यान में रखते हुए पुरे महाराष्ट्र की जनता के सहयोग एवं आशीर्वाद से इस कार्य को हम निश्चित रूपसे पूरा कर सकते है।

संपर्क : सुहिता (9823339116), ई –मेल: sshendye@bjsindia.org , वेबसाइट: www.bjsindia.org

---

प्रति,

दिनांक : २३.०३.२०१७

मा. संपादक,

पिछले कई वर्षों में, बीजेएस के सभी गतिविधियों को आप ने अछी प्रसिद्धी प्रदान की है। आपके सहयोग से ही हम सभी उपक्रम कार्यान्वित करने में सफल हुए है। आपसे निवेदन है की आपके लोकप्रिय वृत्तपत्र में इस संवेदनशील विषय को प्रसिद्धी देकर हमे सहयोग करे।

आपका स्नेहांकित,

शांतिलाल मुथ्था
संस्थापक, बीजेएस